झारखंड का सामान्य परिचय

- झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर 2000 ई. को भारत के 28वें राज्य के रूप में बिहार के 46 प्रतिशत दक्षिणी भूभाग को अलग करके किया गया।
- झारखंड के गठन के समय

  भारत के प्रधानमंत्री – अटल बिहारी वाजपेयी

  भारत के राष्ट्रपति – के. आर. नारायणन
  (भारत के पहले दलित राष्ट्रपति)

  बिहार के मुख्यमंत्री – श्रीमति राबड़ी देवी

  बिहार के राज्यपाल – वी.सी.पांडे

  भारत के गृहमंत्री – लाल कृष्ण अडवाणी

  झारखंड के पहले मुख्यमंत्री – श्री बाबूलाल मरांडी
  (रामगढ़ विधानसभा)

  झारखंड के राज्यपाल – प्रभात कुमार

✵ झारखंड राज्य के गठन के समय कुल 18 जिले थे। छह जिलों का गठन इस प्रकार है–

2001 – लातेहार (पलामू)

सरायकेला खरसांवा (पश्चिमी सिंहभूम)

जामताड़ा (दुमका)

सिमडेगा (गुमला)

2007 – रामगढ़ (हजारीबाग)

खूंटी (रांची)

झारखंड में वर्तमान में पांच प्रमंडल है –

1) उत्तरी छोटानागपुर –

(हजारीबाग) – 7 जिले

- हजारीबाग
- चतरा
- कोडरमा
- गिरिडीह
- धनबाद
- बोकारों
- रामगढ़

2) दक्षिणी छोटानागपुर –

(रांची) – 5 जिले

- रांची
- गुमला
- लोहरदगा
- सिमडेगा
- खूंटी

3) संथाल परगना – (दुमका) –6 जिले

- दुमका
- गोड्डा
- देवघर
- साहेबगंज
- पाकुड़
- जामताड़ा

4) पलामू प्रमंडल – मेदनीनगर – 3 जिले

(सबसे छोटा)

- पलामू
- लातेहार
- गढ़वा

8) कोल्हान प्रमंडल – चाईबासा (3 जिले)

- पश्चिमी सिंहभूम
- पूर्वी सिंहभूम
- सरायकेला खरसांवा

राजनैतिक परिचय

➢ झारखंड राज्य का विभाजन बिहार राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 के तहत किया गया।

पास होने की तिथि

बिहार विधानसभा – 25 अप्रैल 2000

लोकसभा – 2 अगस्त 2000

राज्यसभा – 11 अगस्त

राष्ट्रपति का हस्ताक्षर – 25 अगस्त 2000

➢ झारखंड का विधानमंडल, एक सदनीय है अर्थात झारखंड में केवल विधानसभा है।

➢ वर्तमान में (2003) झारखंड विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 82 है, जिसमें 81 निर्वाचित और 01 मनोनीत सदस्य है।

44 –सामान्य

28 – अनु. जनजाति

09 – अनु. जाति

झारखंड में लोकसभा (14)

सामान्य – 08 अनु. जनजाति – 05

अनु. जाति – 01

झारखंड में राज्यसभा (06)

FOLLOW CAREER FOUNDATION ON

9155564891 7070802888

झारखंड का मानचित्र

- झारखंड उन राज्यों में शामिल है जिसकी सीमा न तो किसी देश से लगती है और न ही किसी समुद्र तट से।
- झारखंड की समुद्र तट से न्यूनतम दूरी 90 किमी. है।
- झारखंड की सीमा 5 राज्यों से लगी है–

  उत्तर में – बिहार

  दक्षिण में – उड़िसा

  पूर्व में – पश्चिम बंगाल

  पश्चिम में – छत्तीसगढ़ और उत्तरप्रदेश

बिहार से लगे झारखंड के जिले (10)

1. गढ़वा
2. पलामू
3. चतरा
4. हजारीबाग
5. गिरिडीह
6. कोडरमा
7. देवघर
8. दुमका
9. गोड्डा
10. साहेबगंज

↳ पश्चिम बंगाल से लगे झारखंड के जिले (10)

1. साहेबगंज
2. पाकुड़
3. जामताड़ा
4. धनबाद
5. दुमका
6. बोकारों
7. रामगढ़
8. रांची
9. सरायकेला–खरसांवा
10. पूर्वी सिंहभूम

↳ उड़िसा से लगे झारखंड के जिले (04)

1. पूर्वी सिंहभूम
2. सरायकेला खरसांवा
3. पश्चिमी सिमडेगा
4. सिमडेगा

↳ छत्तीसगढ़ से लगे झारखंड के जिले (04)

1. गढ़वा
2. लातेहार
3. गुमला
4. सिमडेगा

↳ यू.पी – गढ़वा

⇨ दो या दो से अधिक राज्यों के साथ सीमा साझा करने वाले झारखंड के जिले –(06)

1. गढ़वा – बिहार + यू.पी + छत्तीसगढ़

2. साहेबगंज – बिहार + पश्चिम बंगाल

3. दुमका – बिहार + पश्चिम बंगाल

4. पूर्वी सिंहभमू – पश्चिम बंगाल + उड़िसा

5. सरायकेला खरसांवा – पश्चिम बंगाल + उड़िसा

6. सिमडेगा – उड़ीसा + छत्तीसगढ़

नोट :– गढ़वा , बिहार के साथ, सोन नदी के माध्यम से सीमा बनाता है, यू.पी के सोनभद्र जिले के साथ तथा छत्तीसगढ़ के बलरामपुर के साथ अपनी सीमा बनाता है।

झारखंड की राजधानी – रांची (प्रचीन नाम)
↓
विल्किंसन गंज, किसुनपुर

उपराजधानी – दुमका

सांस्कृतिक राजधानी – देवघर

औद्योगिक राजधानी – जमशेदपुर

झारखंड का सबसे उत्तरी जिला – साहेबगंज

झारखंड का सबसे दक्षिणी जिला – पश्चिम सिंहभूम

झारखंड का सबसे पूर्वी जिला – पाकुड़

झारखंड का सबसे पश्चिमी जिला – गढ़वा

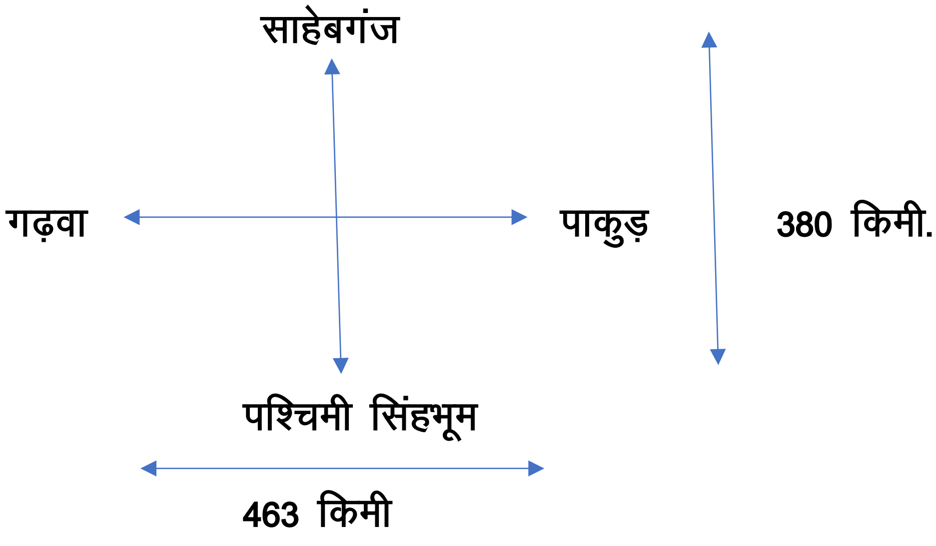

अंतर – 463–380 = 83 km

झारखंड का अक्षांश एंव देशांतरीय विस्तार

कर्क रेखा झारखंड के 5 जिलों से होकर गुजरती है–

1. लातेहार
2. गुमला
3. लोहरदगा
4. रांची
5. रामगढ़

झारखंड का अक्षांशीय विस्तार

21⁰ 58' 10" उत्तर से 25⁰ 19' 15" उत्तर

↓ (पश्चिमी सिंहभूम) ↓ (साहेबगंज)

झारखंड का देशांतरीय विस्तार

83^0 19’ 50” पूर्व से 87^0 57’ पूर्वी

↓ (गढ़वा) ↓ (पाकुड़)

नोट – झारखंड से 4 अक्षांश एवं 4 देशांतर रेखाएं गुजरती है।

↳ रांची से 85^0 देशांतर रेखा गुजरती है। जो चतरा एंव सिमडेगा से भी गुजरती है।

झारखंड के राजकीय प्रतीक

1) राजकीय पशु – हाथी – **Elephas Maximus**

↓ दालमा वन्य जीव अभ्यारण्य हाथियों के लिए प्रसिद्ध है।

2) राजकीय वृक्ष – साल – **Shorea Robusta**

↓ यह जनजातियों के लिए पूजनीय है।

3) राजकय पुष्प – पलाश – **Butea Monosperma**

↓ इसे जंगल की आग भी कहते है।

4) राजकीय पक्षी – एशियाई कोयल – **Eddynamys Scolopaceus**

↓ झारखंड के अलावा पुडुचरे का भी राजकीय पक्षी है।

झारखंड का राजकीय चिन्ह

- नया राजकीय चिन्ह को 15 अगस्त 2020 को अधिकारिक तौर पर अपनाया गया।
- इसकी आकृति गोल है।
- नये चिन्ह में हाथी की संख्या –24 (मुख्य रंग – हरा एंव सफेद)
- पलाश फूल की संख्या –24
- नृत्य करते जोड़ो की संख्या – 24
- बड़ा गोल घेरा – 07
- छोटा गोल घेरा – 60

नोट :– नया लोगो , नया विचार, नया संकल्प तथा नई सोच पर आधारित है।

- झारखंड राज्य का पुराना राज्य चिन्ह, चार 'J' अक्षरों के बीच अशोक चक्र का डिजाइन अमिताभ पांडे ने तैयार किया था जिसे झारखंड सरकार द्वारा फरवरी 2002 में स्वीकृति मिली थी।

राजकीय चिन्ह की विशेषता

हरा रंग – नये चिन्ह का हरा रंग संपूर्ण राज्य में फैली हरियाली संपूर्ण राज्य में फैली हरियाली एवं वन संपदा का परिचायक है।

- प्राकृतिक सौंदर्य और संसाधनों से विभूषित, झारखंड विकास के पथ पर लंबे–लंबे पग घरने हेतु आवश्यक कच्चे मालों से परिपूर्ण है।

हाथी – राज्य के एश्वर्य और प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों को दर्शाता हाथी, झारखंड के महान इतिहास, शक्ति और सामूहिक बुद्धमता का प्रतीक है। वर्तमान और सुनहरे भविष्य के मध्य खड़ी सभी बाधाओं का दमन करते हुए आगे बढ़ने के संकल्प का प्रतीक है।

पलाश का फूल – पलाश का टेसू झारखंड के प्राकृतिक सौंदर्य एवं सुरम्यता को प्रतिबंधित करता है। पुष्पित होना पलाश का फूल, वंसत ऋतु के आगमन का प्रतीक है वही वसंत हेतु जो समृद्धि का संदेश लेकर आता है।

स्थानीय उत्सव (सौरा चित्रकारी) – स्थानीय त्योहारों को चिन्हित करने वाले जनजातीय कला को राज्य चिन्ह में स्थान दिया गया है, जो राज्य की समृद्धि और विविधता पूर्ण परंपराओं के साथ उसकी निराली संस्कृति और धरोहर का बोध कराते हैं।

अशोक स्तंभ – केन्द्रीय भाग में उकेरा गया अशोक स्तंभ, भारत के उत्तम सहकारी संघवाद, इसमें झारखंड की सहभागिता एवं अद्वितीय भूमिका को रेखांकित करता है।

झारखंड की राजकीय भाषा

– हिन्दी

झारखंड की द्वितीय राजकीय भाषा

1. उर्दू
2. संथाली
3. मुंडारी
4. खड़िया
5. हो
6. कुडुख
7. मगही
8. भोजपूरी
9. अंगिका
10. खोरठा
11. बांग्ला
12. उड़िया
13. कुरमाली
14. मैथली
15. पंचपरगनिया
16. नागपुरी

झारखंड का एतेहासिक परिचय

- प्राचीन झारखंड में छोटानागपुर और संथाल परगना के अलावा छत्तीसगढ़ का सरगुजा, रायगढ़, उड़िसा का – सबंलपुर, क्योंझर, मयूरभंज, सुंदरगढ़ एवं पश्चिम बंगाल का पुरूलिया, मिदनापुर एवं बाकुड़ा के भी क्षेत्र शामिल थे।
- झारखंड क्षेत्र का सर्वप्रथम उल्लेख ब्राह्मण ग्रंथ – ऐतरेय ब्राह्मण में हुआ है। जिसमें इसे पुण्ड या पुण्ड्र कहा गया है।
- झारखंड शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख, 13वीं शताब्दी के एक ताम्रपत्र में हुआ है।

झारखंड शब्द का उल्लेख

1. 13वीं सदी के ताम्र पत्र में।
2. अकबरनामा में।
3. तारीख–ए–बंग्ला
4. तारीख–ए–फिरोजशाही
5. कबीर दास के ग्रंथों में
6. मल्लिक मोहम्मद जायसी के ग्रंथों में
7. सियार–उल–मुतखरीन
8. शम्स–ए–सिराज
9. गुलाम हुसैन के ग्रंथों में
10. चैतनय महाप्रभु के ग्रंथों में

FOLLOW CAREER FOUNDATION ON
9155564891
7070802888

झारखंड के अन्य नाम

1.	ऐतरेय ब्राह्मण	पुण्ड या पुण्ड्र
2.	विष्णु पुराण	मुण्ड
3.	वायु पुराण	मुरण्ड
4.	समुद्रगुप्त के प्रयाग प्रशस्ति में	मुरूण्ड
5.	टॉलमी	मुण्डल
6.	महाभारत	पुण्डरीक देश या पशुभूमि/अर्क खंड/कर्क खंड
7.	ऋग्वेद	कीकट या किक्कट
8.	अथर्ववेद	व्रात्य प्रदेश
9.	भागवत पुराण	किक्कट प्रदेश
10.	मुगल काल	कुकराह या खुखरा
11.	तुजुक–ए–जहांगीरि	खोखरा
12.	ईस्ट–इंडिया कंपनी	छोटा नागपुर
13.	फाहयान	कुक्कुटलाड (छोटानागपुर क्षेत्र)
14.	आईने अकबरी	कोकरा या खंकारह
15.	व्हेनसांग (राजमहल)	कि लो सु फो ला ना संथाल परगना – नरीखंड, कंकजोल